NSS SONG

UTHE SAMAAJ KE LIYE

Uthe Samaaj ke liye uthe-uthe, jage swarastra ke liye jage-jage
Swayam saje vasundhara savaar de, swayam saje vasundhara savaar de

Ham uthe uthega jag hamare sangg saathiyo, ham barhe to sab barhenge apne aap saathiyo
Jamee pe aashmaan ko utaar de, jamee pe aashmaan ko utaar de

Swayam saje vasundhara savaar de, swayam saje vasundhara savaar de
Udasiyo ko dur kar khusi ko baatte chale, gaau aur sahar ki duriyo ko paatte chale

Gyan ko prachar de prashar de, vigyan ko prachar de prashar de
Swayam saje vasundhara savaar de, swayam saje vasundhara savaar de

Samarth baal vridh aur naariya rahe sada, hare bhare vano ki shaal orti rahe dhara
Tarakkiyo ki ek nayi kataar de, tarakkiyo ki ek nayi kataar de

Swayam saje vasundhara savaar de, swayam saje vasundhara savaar de
Ye jaati dharm boliya bane na shul rah ki, barhaye bel prem ki akhand-ta ki chah ki

Bhavna se ye chaman nikhaar de, sadbhavna se ye chaman nikhaar de
Swayam saje vasundhara savaar de, swayam saje vasundhara savaar de

Uthe Samaaj ke liye uthe-uthe, jage swarastra ke liye jage-jage
Swayam saje vasundhara savaar de, swayam saje vasundhara savaar de

NSS SONG

उठें समाज के लिए उठें–उठें, जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें।
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें, स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें।।

हम उठें उठेगा जग हमारे संग साथियों, हम बढ़े तो सब बढ़ेंगे अपने आप साथियों।
जमीं पे आसमान को उतार दें, जमीं पे आसमान को उतार दें।

स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें, स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें।।
उदासियों को दूर कर खुशी को बांटते चलें, गांव और शहर की दूरियों को पाटते चलें

ज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें, विज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें।
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें, स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें।।

समर्थ बाल वृद्ध और नारियां रहें सदा, हरे भरे वनों की शाल ओढती रहे धरा।
तरक्कियों की एक नई कतार दें, तरक्कियों की एक नई कतार दें।

स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें, स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें।।
ये जाति धर्म बोलियॉ बनें न शूल राह की, बढ़ाएं बेल प्रेम की अखंडता की चाह की।

भावना से ये चमन निखार दें, सद्भावना से ये चमन निखार दें।
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें, स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें।।

उठें समाज के लिए उठें–उठें, जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें।
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें, स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें ।।